हरि भक्तो का है ब्रज में ठिकाना भजन लिरिक्स

हरि भक्तो का है,
ब्रज में ठिकाना,
श्याम पागलों का,
वृन्दावन पागल ख़ाना,
हरि भगतो का है,
ब्रज में ठिकाना।bd।

तर्ज – परदेसियों से ना।

बृज में रहकर,
भजन करेंगे,
सन्तों की झुठन खा,
जीवन जीयेंगे,
सेवा कुन्ज निधिवन,
रोज रोज जाना,
हरि भगतो का है,
ब्रज में ठिकाना।bd।

मथुरा में श्याम,
जनम लियो है,
गोकुल में सब,
लीला कियो है,
श्यामा श्याम मिलते यहाँ,
प्रेमियों ने मांना,
हरि भगतो का है,
ब्रज में ठिकाना।bd।

चरणों में गुरूवर के,
सदा ही रहेंगे,
उनकी कृपा से बांके,
दर्शन करेंगें,
'चित्र विचित्र' का,
बस यही कहना,
हरि भगतो का है,
ब्रज में ठिकाना।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हरि भक्तो का है,
ब्रज में ठिकाना,
श्याम पागलों का,
वृन्दावन पागल ख़ाना,
हरि भगतो का है,
ब्रज में ठिकाना।bd।

गायक / प्रेषक – धसका जी पागल।
7206526000

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com